
MOTHER
A Letter Across Time
Ferdinando Frega – Nando the Scribe
Gillettenarrative.com

जिलेट: माँ

जब मैं बच्चा था, तुम जब भी किसी को मेरे जन्म के बारे में बतातीं, हमेशा उसी सवाल से शुरू करतीं जो तुमने मेरी पहली चीख़ सुनकर पूछा था: “सही-सलामत है?” और बरसों मैं यही समझता रहा कि बच्चे दुनिया में टुकड़ों में आते हैं, उन खिलौनों की तरह जिन्हें जोड़ना पड़ता है। मैं यह कहता तो लोग हँसते थे। फिर हम सब बड़े हुए और पता चला कि यह सच था।

पहले एक देह आती है जो बढ़ती है। फिर एक ताक़त जो विकसित होती है। फिर एक दिमाग़ जो हमें याद दिलाता है कि हमारे माँ-बाप कौन हैं।

तुम और मैं... हम शुरू से ही टकराव थे। मुझे यह समझने में पाँच साल लगे कि हम हमेशा बँटे रहेंगे। तुम सोचती थीं कि हम एक जैसे हैं। पर मेरा आधा हिस्सा तुम नहीं थीं — वह मेरे पिता थे।

मैंने तुमसे प्यार नहीं किया क्योंकि तुमने मुझे कभी नहीं सिखाया कि प्यार कैसे काम करता है। मैंने तुमसे नफ़रत नहीं की क्योंकि मेरे डीएनए में वह कोड था ही नहीं। पर मैं साठ साल तुम्हारा ग़ुस्सा ढोता रहा, और कुछ महीने पहले मैंने उसे तुम्हारी क़ब्र पर तुम्हें लौटा दिया।

आज मदर्स डे है। एक दिन जिसे दुनिया हज़ार चीज़ों के लिए “शुक्रिया” कहने में बरतती है। पर कृतज्ञता बस एक शब्द है — बाक़ी सब तथ्य हैं।

तो, मैं दूर से तुम्हारा जश्न मनाता हूँ। कोई कड़वाहट नहीं। किसी माफ़ी की ज़रूरत नहीं। क्योंकि आख़िरकार मुझे एक बात समझ आ गई: जो तुमने मुझे नहीं दिया, वह तुम्हारे पास था ही नहीं — और तुम्हें पता नहीं था कि वह कहाँ मिलेगा। तुम्हारे माँ-बाप ने तुम्हें मशाल कभी थमाई ही नहीं।

मैं तुम्हारे पास यह छोड़ जाता हूँ, तुम जहाँ से भी मुझे पढ़ रही हो: हर उस बार की याद जब मैंने तुम्हारे चेहरे पर मुस्कान ला दी। क्योंकि तुम हमेशा यही मानती रहीं कि मैं कोई अप्रत्याशित आदमी हूँ। पर मैं नहीं था। मैं बस तुम्हारा छोटा-सा बेटा था।

अलविदा, माँ।

नांदो